

खास-खबरें

ओबेन इलेक्ट्रिक बनी नंबर-1 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल ब्रांड

नईदुनिया ब्यूरो, बेंगलुरु: ओबेन इलेक्ट्रिक ने सितंबर 2026 में '1,417 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रजिस्ट्रेशन के साथ नंबर-1 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल ब्रांड बनने का दावा किया है। कंपनी के अनुसार, यह उपलब्धि ऋग्वेद श्र1श को मिले बाजार रिसॉर्स से हासिल हुई। सितंबर में कंपनी की मासिक बिक्री अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंची। ओबेन इलेक्ट्रिक ने बेंगलुरु स्थित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से 10,000वीं इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल भी रोलआउट की। कंपनी के मुताबिक, उसकी 3.5 एकड़ की फैक्ट्री की वार्षिक उत्पादन क्षमता एक लाख मोटरसाइकिल है। कंपनी 18 राज्यों के 90 से अधिक शहरों में 150 से ज्यादा शोरूम और ओबेन केयर सर्विस सेंटर संचालित करती है।

5वां कौंटिल्य आर्थिक सम्मेलन कल से

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: पांचवां कौंटिल्य आर्थिक सम्मेलन 3 से 5 अक्टूबर 2026 तक नई दिल्ली में 'अनिश्चितता के दौर में सुदृढ़ता' विषय के तहत आयोजित किया जाएगा। तीन दिवसीय सम्मेलन में करीब 30 देशों के 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों सहित 180 से अधिक नीति निर्माता, अर्थशास्त्री, शिक्षाविद, वित्तीय विशेषज्ञ और अंतरराष्ट्रीय विचारक शामिल होंगे। सम्मेलन में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, आर्थिक सुदृढ़ता, तकनीक, व्यापार, वित्त और भारत की आर्थिक प्राथमिकताओं पर चर्चा होगी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 3 अक्टूबर को उद्घाटन भाषण देंगे। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण 'भारत की आर्थिक प्राथमिकताएं' विषय पर विशेष पूर्ण सत्र को संबोधित करेंगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर 'भारत और विश्व: डिजाइन से अनुकूलनीय' विषय पर विशेष समापन भाषण देंगे। केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया 'कनेक्टिविटी से एआई तक : डिजिटल अर्थव्यवस्था की नई वास्तुकला' विषय पर मुख्य भाषण देंगे। संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत 'पूंजी के रूप में संस्कृति : विरासत से क्षितिज तक' विषय पर संबोधित करेंगे। सम्मेलन में ऊर्जा झटकों, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, व्यापार और आर्थिक सुरक्षा, वैश्विक असंतुलन, ऋण, वित्तीय स्थिरता और उभरते बाजारों से जुड़े मुद्दों पर सत्र होंगे। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा 'अनिश्चितता के दौर में केंद्रीय बैंक' विषय पर विशेष भाषण देंगे। इसके अलावा राजकोषीय संघवाद, औद्योगिक नीति, विकास वित्त और दीर्घकालिक निवेश के लिए घरेलू तथा विदेशी पूंजी जुटाने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा। अंतरराष्ट्रीय सत्रों में यूरोप की प्रतिस्पर्धात्मकता, चीन में संरचनात्मक बदलाव, जापान की भूमिका, एशिया-प्रशांत क्षेत्र की आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक आर्थिक संबंधों पर चर्चा होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नई तकनीक के प्रभाव, रोजगार, कौशल, शिक्षा और नियामक ढांचे पर भी सत्र आयोजित किए जाएंगे। जलवायु सुदृढ़ता, बहुपक्षीय विकास बैंकों में सुधार, स्वास्थ्य सुरक्षा, शहरीकरण, कृषि, जनसांख्यिकीय बदलाव और भविष्य के रोजगार पर भी चर्चा होगी।

कारों का औसत माइलेज 30 किमी प्रति लीटर करने का लक्ष्य

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने पैसेंजर गाड़ियों के लिए कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल इकोनॉमी यानी सीएएफई-3 के नए नियम घोषित कर दिए हैं। ये नियम 1 अप्रैल 2027 से 31 मार्च 2032 तक लागू रहेंगे। इनका उद्देश्य गाड़ियों की ईंधन दक्षता बढ़ाने और प्रदूषण कम करना है। नए नियमों के तहत ऑटो कंपनियों को अपने पोर्टफोलियो में अधिक माइलेज वाली पेट्रोल-डीजल कारों के साथ इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों की हिस्सेदारी बढ़ानी होगी। कंपनियों के बेड़े का औसत कार्बन उत्सर्जन 2027 से 2032 के बीच घटाकर 91.7 ग्राम प्रति किमी करना होगा। मौजूदा सीमा 113 ग्राम प्रति किमी है, यानी इसमें करीब 19 प्रतिशत की कमी करनी होगी। कंपनियों को 2027 में औसत माइलेज कम से कम 25 किमी प्रति लीटर करना होगा और इसे हर साल बढ़ाते हुए 2031-32

बदलाव

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: अक्टूबर 2026 से सिलेंडर, एलपीजी सिलिंडी, यूपीआई भुगतान, हवाई ईंधन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, बैंकिंग और रेपो रेट से जुड़े कई बदलाव लागू हुए हैं। तेल कंपनियों ने कॉर्पोरेशनल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 70 रुपये तक बढ़ाई है। दिल्ली में इसकी कीमत 2810 रुपये, कोलकाता में 2954 रुपये, मुंबई में 2764.50 रुपये और चेन्नई में 2983 रुपये हो गई है। हालांकि, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। एक अक्टूबर से सिलिंडी वाले एलपीजी सिलेंडर के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन यानी ई-केवाईसी जरूरी कर दिया गया है। जिन ग्राहकों ने सत्यापन नहीं कराया है, उन्हें सिलिंडी वाले दाम पर सिलेंडर नहीं

लेनदेन मुफ्त रहेगा और व्यक्ति से व्यक्ति

लगातार आठवें हफ्ते शेयर बाजार में गिरावट, निफ्टी-सेंसेक्स मंदी की दहलीज पर

विदेशी निवेशकों की बिकवाली, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेजी और रुपए की कमजोरी से बाजार पर दबाव; निफ्टी 22,422 पर बंद

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: शेयर बाजार लगातार आठवें सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 570 अंक यानी 0.79 प्रतिशत टूटकर 71,910 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 198 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,422 पर आ गया। ऑटो और मीडिया शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली देखने को मिली। बाजार में लगातार आठ सप्ताह की गिरावट पिछले 25 वर्षों में सबसे लंबा गिरावट का दौर है। इससे पहले 2001 में लगातार भी सप्ताह तक बाजार में गिरावट दर्ज

की गई थी। जनवरी में 26,373 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद निफ्टी अब तक करीब 15 प्रतिशत नीचे आ चुका है। बाजार के नियमों के अनुसार, ऊपरी स्तर से 20 प्रतिशत की गिरावट आने पर इसे आधिकारिक रूप से बेयर मार्केट माना जाता है।

बाजार में गिरावट की प्रमुख वजह विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली रही। मंगलवार और बुधवार को विदेशी निवेशकों ने 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे। बुधवार तक इस सप्ताह उनकी कुल बिकवाली करीब 26

15 अक्टूबर से लागू होंगे नए प्रावधान

खुदरा चीनी के दाम 15 प्रतिशत और मिल से बाहर की कीमतों में करीब 28 प्रतिशत की गिरावट

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: नए चीनी सीजन की शुरुआत के साथ सरकार ने त्योहारी मौसम में चीनी की जमाखोरी रोकने और उपभोक्ताओं को उचित कीमत पर पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भंडारण नियमों में बदलाव किया है। नए प्रावधान 15 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक लागू रहेंगे। इनके तहत चीनी कारोबारियों को स्टॉक प्राप्त होने की तारीख से 15 दिन से अधिक समय तक चीनी रखने की अनुमति नहीं होगी। देशभर में किसी भी समय और किसी भी स्थान पर व्यापारी

स्वच्छता ही सेवा अभियान में श्रमदान, परिवहन भवन में अधिकारियों ने चलाया सफाई अभियान

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत नई दिल्ली स्थित परिवहन भवन में 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' पहल के अंतर्गत श्रमदान और स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर ने वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ अभियान का नेतृत्व किया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने

परिवहन भवन के बाहर के क्षेत्र की सफाई में भी भाग लिया। इस दौरान स्वच्छता में योगदान के लिए सफाई कर्मचारियों को

शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। सचिव ने कार्यस्थल की स्वच्छता बनाए रखने में उनके योगदान की सराहना की और अभियान में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। स्वच्छता ही सेवा अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक चलाया जा रहा है।

गुना क्रेडिट मिलेगा। पेट्रोल-डीजल कारों में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके कंपनियों कार्बन उत्सर्जन के तय लक्ष्य में 9 ग्राम प्रति किमी तक की छूट भी ले सकेंगी। इसके लिए इंजन स्टार्ट-स्टॉप, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, रीजेनरेटिव ब्रेकिंग, छह या उससे अधिक स्पीड वाला गियरबॉक्स, 12 वोल्ट या 48 वोल्ट अल्टरनेटर और मोटर-जनरेटर, एलईडी लाइट, एडवांस ग्लासिंग, इलेक्ट्रिक वॉटर पंप, हाई-एफिशिएंसी एसी, सोलर-रिफ्लेक्टिव पेंट और स्मार्ट रेंडिएटर फैन जैसी तकनीकों को शामिल किया गया है। मौजूदा सीएएफई-2 नियम अप्रैल 2022 से लागू हैं।

10 हजार ईवी बेचती है तो सरकारी गणना में इन्हें 30 हजार वाहनों के बराबर माना जाएगा। प्लग-इन हाइब्रिड और फ्लेक्स-फ्यूल हाइब्रिड वाहनों को 2.5 गुना, स्ट्रॉंग हाइब्रिड को 1.6 गुना और फ्लेक्स-फ्यूल कारों को 1.1 तक पहुंचाना होगा।

एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमत 16 रुपये प्रति लीटर बढ़कर 137 रुपये हो गई है, जिससे हवाई किराया बढ़ने की संभावना है। वहीं एसी, एलईडी टीवी, वॉशिंग मशीन और फ्रिज की कीमतों में 3 से 8 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 5 से 7 अक्टूबर के बीच होगी और 7 अक्टूबर को रेपो रेट पर फैसला होगा। मौजूदा रेपो रेट 5.25 प्रतिशत है। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक के वेतन खाताधारकों के लिए दूसरे बैंकों के एटीएम या एडीएल्यूएम से मुफ्त लेनदेन की सीमा 10 से घटाकर पांच कर दी गई है। इसके बाद प्रति लेनदेन 15 रुपये और जीएसटी देना होगा।

नईदुनिया



हजार करोड़ रुपये पहुंच गई थी। ने 29,176 करोड़ रुपये की शुद्ध बीते सात दिनों में विदेशी निवेशकों बिकवाली की, जबकि घरेलू

की कीमतों में करीब 28 प्रतिशत की कमी आई है और ये कीमतें पिछले तीन सप्ताह से स्थिर हैं।

सरकार ने चीनी मिलों, डीलरों, थोक विक्रेताओं और अन्य बाजार भागीदारों से आपूर्ति श्रृंखला में चीनी की निरंतर आवाजाही बनाए रखने और कृत्रिम भंडारण से बचने को कहा है। थोक और खुदरा विक्रेताओं से मिल स्तर पर कीमतों में आई गिरावट का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का आग्रह किया गया है। चीनी मिलों और अपरेटर क्षेत्रों की कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुसार पेराई शुरू करने की सलाह दी गई है। सरकार अल नीनो से जुड़ी अनियमित और अपर्याप्त वर्षा के प्रभाव पर चीनी उत्पादक क्षेत्रों में गन्ने की स्थिति पर नजर रखेगी। रब्बियों को भी परिस्थितियों के अनुसार पेराई कार्यों के संबंध में उचित कदम उठाने की सलाह दी गई है। सरकार ने कहा है कि गन्ना किसान और उपभोक्ता चीनी नीति के दो प्रमुख स्तंभ हैं।

बैंकों में हर शनिवार छुट्टी का दावा फर्जी सरकार ने जारी नहीं किया कोई आदेश

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सोशल मीडिया पर केंद्र सरकार और वित्त मंत्रालय के नाम से एक गजट नोटिफिकेशन वायरल हो रहा है, जिसमें भारतीय स्टेट बैंक समेत सभी सरकारी बैंकों में हर शनिवार छुट्टी घोषित किए जाने का दावा किया जा रहा है। सरकारी तथ्य जांच टीम ने इस दावे को फर्जी बताया है। वित्त मंत्रालय की ओर से बैंकों की छुट्टी को लेकर ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। वायरल दस्तावेज पूरी तरह नकली है। लोगों से अपील की गई है कि वे ऐसे फर्जी दस्तावेज और भ्रामक संदेशों पर भरोसा न करें। केंद्र सरकार या किसी मंत्रालय से संबंधित संदिग्ध सूचना मिलने पर उसकी सत्यता की जांच सरकारी तथ्य जांच टीम से कराने की सलाह दी गई है। बैंक कर्मचारी संगठन लंबे समय से

गांधी जयंती पर शेयर बाजार में छुट्टी, अगले 3 दिन तक नहीं होगा कोई कारोबार

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: घरेलू शेयर बाजार में अगले तीन दिन तक कोई कारोबार नहीं होगा। अब शेयर बाजार सीधे पांच अक्टूबर को खुलेंगे और तभी सामान्य कारोबार की शुरुआत होगी। शुक्रवार को कल दो अक्टूबर को गांधी जयंती होने की वजह से बीएसई और एनएसई में छुट्टी रहेगी। कल की छुट्टी के बाद अगले दो दिन यानी तीन और चार अक्टूबर को शनिवार और रविवार का साप्ताहिक

सर्व फोम इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी फाइल किया

अवकाश रहेगा। इसी कारण अब शेयर बाजार में कारोबार की शुरुआत पांच अक्टूबर से होगी। बीएसई और एनएसई की तरह ही एमसीएक्स में भी गांधी जयंती के मौके पर कंसीट छुट्टी रहेगी। मतलब कल कम्पिडटी एक्सचेंज में दिन और शाम दोनों सत्र में कोई कारोबार नहीं होगा। इस छुट्टी की वजह से स्टॉक एक्सचेंज की तरह ही कम्पिडटी एक्सचेंज में भी लगातार तीन दिन की छुट्टी रहेगी।

देश की सबसे बड़ी रीबॉन्डेड पीयू फोम बनाने और एक्सपोर्ट करने वाली भोपाल की कंपनी सर्व फोम इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आईपीओ के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और सेवा के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया है। सेवा के पास जमा मसीदा दस्तावेज के अनुसार सर्व फोम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के 5 रुपये फेस वैल्यू वाले इस आईपीओ में 5,400,000 तक इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू और प्रमोटर मिस्टर कुणाल गियानी की ओर से 1,350,000 तक शेयरों का ओएफएस भी इसमें शामिल है। इसके शेयर एनएसई और बीएसई पर लिस्टिंग के लिए प्रस्तावित हैं। सर्व फोम इंडस्ट्रीज लिमिटेड इस फ्रेश इश्यू से मिलने वाली 90 करोड़ रुपये की रकम का इस्तेमाल कंपनी की रीबॉन्डेड पॉलीयुरेथेन फोम प्रोडक्ट्स की नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने के लिए कैपिटल खर्च की जरूरतों को पूरा करने में करेगी, जबकि 300.00 मिलियन का इस्तेमाल कंपनी द्वारा लिए गए कुछ कर्जों को आंशिक या पूरी तरह से चुकाने/प्री-पेमेंट करने और सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए किया जाएगा।

संस्थागत निवेशकों की शुद्ध खरीदारी 26,252 करोड़ रुपये रही। अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में उछाल ने भी भारतीय बाजार पर दबाव बढ़ाया। 10 वर्षीय अमेरिकी सरकारी बॉन्ड की यील्ड 5.33 प्रतिशत और 30 वर्षीय बॉन्ड की यील्ड 5.67 प्रतिशत पहुंच गई है। यह 2002 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर बताया गया है। इसके अलावा डॉलर के मजबूत होने से रुपया कमजोर होकर 95.98 प्रति डॉलर पर आ गया। सरकारी बैंकों की ओर से डॉलर की बिक्री के बावजूद रुपये पर दबाव बना रहा।

कोटक महिंद्रा बैंक के नए एमडी और सीईओ होंगे अनूप कुमार साहा, 1 जनवरी से संभालेंगे पद

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: कोटक महिंद्रा बैंक ने अनूप कुमार साहा को नया प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा और वह 1 जनवरी 2027 से पद संभालेंगे। साहा फिलहाल बैंक में कार्यकारी निदेशक हैं। उनके पास 32 वर्ष से अधिक का पेशेवर अनुभव है, जिसमें बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों में 25 वर्ष से अधिक का अनुभव शामिल है। नियुक्ति की मंजूरी के बाद कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में करीब 4 प्रतिशत तक तेजी आई और यह 433 रुपये के आसपास पहुंच गया।

विशेषज्ञों ने नियुक्ति को बैंक के लिए सकारात्मक कदम बताया है। अनूप कुमार साहा जनवरी 2026 में कोटक महिंद्रा बैंक से जुड़े थे। मार्च 2026 से वह निदेशक की भूमिका में बैंक के खुदरा बैंकिंग कारोबार, सरकारी कारोबार, डेटा विश्लेषण और विपणन से जुड़े कामकाज की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। मौजूदा

प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक

वासवानी ने कहा कि साहा वित्तीय क्षेत्र के अनुभवी नेतृत्वकर्ता हैं और उन्हें अलग-अलग कारोबार, ग्राहकों तथा बैंकिंग परिचालन की गहरी समझ है। उनके अनुसार, साहा बैंक की मजबूत नींव को आगे बढ़ाने और ग्राहकों के साथ संबंध मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बैंकिंग क्षेत्र में मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की नियुक्तियों में अब अनुभव के साथ कारोबारी योजनाओं और उसे लागू करने की क्षमता पर भी ध्यान दिया जा रहा है। साहा के सामने जमा बढ़ाने, बिना गारंटी वाले कर्ज में वृद्धि और घटते मार्जिन जैसी प्रमुख चुनौतियां रहेंगी। लोग सावधि जमा के बजाय शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में अधिक निवेश कर रहे हैं, जिससे बैंकों के लिए नए जमा जुटाना चुनौती बन रहा है। वहीं रिजर्व बैंक बिना गारंटी वाले व्यक्तिगत कर्ज को लेकर सख्त है।

वरिष्ठ अधिकारियों की प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन योजना से जुड़ी शिकायतों और मार्च 2024 में तय की गई लॉबत मांगों पर भी बातचीत के जरिए समाधान निकालने की बात कही गई है। बैंक हड़ताल के कारण वित्त मंत्रालय के निर्देश पर 10 साल बाद रविवार को आम लोगों के लिए बैंक खोले गए थे। इससे पहले 2016 में नोटबंदी के बाद 14 नवंबर को रविवार के दिन बैंक खोले गए थे। उस समय पुराने 500 और 1000 रुपये के नोट जमा करने और बदलने के लिए बैंकों में लंबी कतारें लगी थीं।

छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरें स्थिर, लगातार 11वीं तिमाही नहीं हुआ बदलाव

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। सार्वजनिक भविष्य निधि यानी पीपीएफ पर 7.1 प्रतिशत और सुकन्या समृद्धि योजना पर 8.2 प्रतिशत ब्याज मिलता रहेगा। छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरें 4 प्रतिशत से 8.2 प्रतिशत के बीच हैं। यह लगातार 11वीं तिमाही है, जब इन योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार ने आखिरी बार दिसंबर 2023 में इनकी ब्याज दरों में वृद्धि की थी। छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों की समीक्षा हर तीन महीने में की जाती है। दरें तय करते समय देश में नकदी और महंगाई की स्थिति पर भी ध्यान दिया जाता है। छोटी बचत योजनाएं देश में घरेलू बचत का प्रमुख माध्यम हैं। इन योजनाओं में जमा राशि पर निवेशकों को निर्धारित ब्याज मिलता है। सभी छोटी बचत योजनाओं से प्राप्त राशि राष्ट्रीय लघु बचत कोष में जमा की जाती है। इन योजनाओं की ब्याज दर तय करने के लिए श्यामला गोपीनाथ समिति की ओर से एक फार्मूला सुझाया गया था। इसके अनुसार, छोटी बचत

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए सरकार ने दरें बरकरार रखीं

योजनाओं की ब्याज दरें समान अवधि वाले सरकारी बॉन्ड की प्रतिफल दर से 0.25 से 1 प्रतिशत अधिक होनी चाहिए। छोटी बचत योजनाओं को मुख्य रूप से डाक जमा, बचत प्रमाणपत्र और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में बांटा जाता है। डाक जमा में बचत खाता, आवर्ती जमा, सावधि जमा और मासिक आय योजना शामिल हैं। बचत प्रमाणपत्र में राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र और किसान विकास पत्र आते हैं। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में सुकन्या समृद्धि योजना, सार्वजनिक भविष्य निधि और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना शामिल हैं।